क्या नवजात शिशुओं को बपतिस्मा देने की आवश्यकता है?

जो लोग यह मानते हैं कि नवजात शिशुओं को बपतिस्मा देना आवश्यक है वे अक्सर निम्नलिखित प्रश्न पूछते हैं।

प्र.: क्या सभी नवजात शिशु जन्म से पापी होते हैं?

उ.: नहीं। बच्चे पाप से भरे संसार में जन्म तो लेते हैं, परन्तु इससे वे पापी नहीं ठहरते। भजन 51 में दाऊद ने लिखा है, ''देख, मैं अधर्म में पैदा हुआ, और पाप में अपनी माता के गर्भ में पड़ा'' (आयत 5; NASB)। यह आयत का अक्षरश: अनुवाद है। इस में दाऊद के जन्म के आस-पास के समाज की परिस्थिति का पता चलता है परन्तु यह उल्लेख नहीं है कि जन्म लेकर वह पापी बन गया था। हिन्दी सहित बाइबल के कुछ अनुवादों[1] में इब्रानी शास्त्र की उपेक्षा करते हुए लिखा गया है कि दाऊद जन्म के समय पापी था। यह दुख की बात है।

प्र.: क्या हर व्यक्ति आदम के पाप का दोषी है?

उ.: नहीं। उत्पत्ति की पुस्तक उस पाप के परिणामों के बारे में बताती है, जैसे मृत्यु (उत्पत्ति 3:3, 19), जनने की पीड़ा (उत्पत्ति 3:16), और श्रापित भूमि (उत्पत्ति 3:17)। हमें आदम और हव्वा के पाप के परिणाम तो भुगतने पड़ सकते हैं, परन्तु हम में उनके पाप का दोष नहीं है। हम नैतिक पसन्द चुनने में सक्षम हैं अर्थात जब हम परमेश्वर के वचन के अनुसार अपनी पसन्द चुनने में असफल रहते हैं, तो हम पाप के दोषी ठहरते हैं।

प्र.: क्या जन्म लेने वाले बच्चे परमेश्वर के राज्य से दूर हो जाते हैं?

उ.: नहीं। उनके विषय में यीशु ने कहा, ''स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है'' (मत्ती 14:19)।

प्र.: क्या बच्चों को अपने माता-पिता का पाप विरासत में मिलता है?

उ.: नहीं। ''जो प्राणी पाप करे वही मरेगा, न तो पुत्र पिता के अधर्म का भार उठाएगा और न पिता पुत्र के अधर्म का; धर्मी को अपने ही धर्म का फल, और दुष्ट को अपनी ही दुष्टता का फल मिलेगा'' (यहेजकेल 18:20)। क्योंकि हर व्यक्ति को उसके धर्म या बुराई के अनुसार फल मिलेगा, इसलिए उसका न्याय उसके द्वारा किए गए कर्मों के आधार पर होगा। किसी के धर्म या उसकी बुराई के लिए कोई दूसरा जवाबदेह नहीं होगा।

प्र.: ज़्या प्रेरितों के काम में वर्णित पूरे परिवार के मन परिवर्तन में नवजात शिशु भी शामिल हैं?

उ.: नहीं। कई परिवारों में नवजात शिशु होते हैं। उन परिवारों के लोगों के बारे में कहा गया है कि वह ''परमेश्वर से डरता'' था (प्रेरितों 10:2) और उन्होंने ''विश्वास किया'' (प्रेरितों 16:34; 18:8)। इसका कोई संकेत नहीं मिलता कि लुदिया के बच्चे या पति भी था (प्रेरितों 16:14, 15)। छोटे बच्चों की गिनती परिवारों से अलग की जाती थी (देखें उत्पत्ति 47:24)। बाइबल में नवजात शिशुओं को बपतिस्मा देने का कोई उदाहरण नहीं मिलता। इसके विपरीत प्रेरितों 8:12 के अनुसार बपतिस्मा लेने वाले ''पुरुष और स्त्रियां'' ही थे।

प्र.: ज़्या बच्चों को बपतिस्मा देकर समर्पित (डेडिकेट) करना चाहिए?

उ.: नहीं। बच्चे अबोध अर्थात अनजान होने के कारण यीशु के सामने ''सुरक्षित'' हैं। बपतिस्मे में परमेश्वर को समर्पित करने की मांग तो मनुष्यों की बनाई रीति ही करती है। मसीही लोगों को मनुष्यों की बनाई ऐसी रीतियों से सावधान रहना चाहिए (कुलुस्सियों 2:8)।

प्र.: पुराने नियम में नवजात शिशुओं का खतना किया जाता था, तो ज़्या हमें बच्चों का बपतिस्मा नहीं करना चाहिए?

उ.: नहीं। यदि यह सोच सही है, तो खतनारहित बच्चों की तरह (उत्पत्ति 17:14) बपतिस्मा रहित हर बच्चा अपने लोगों में से निकाल दिया जाना चाहिए। पापों की क्षमा के लिए होने के कारण (प्रेरितों 2:38) बपतिस्मा खतने का काम नहीं करता, जो कि परमेश्वर और अब्राहम के बीच वाचा का एक चिह्न था (उत्पत्ति 17:11)। जो शर्तें बपतिस्मा लेने वालों के लिए आवश्यक हैं नवजात शिशु उन्हें पूरा नहीं कर सकते। बपतिस्मा लेने वालों के लिए सुसमाचार को सुनना ज़रूरी है। उनके लिए सुसमाचार में विश्वास करना (मरकुस 16:15, 16), मन फिराना (प्रेरितों 2:38) और नया जीवन जीना (रोमियों 6:4) आवश्यक है। प्रेरितों के काम की पुस्तक में वर्णित जिन लोगों ने बपतिस्मा लिया था उनके बारे में कहा गया है कि उन्होंने वचन को सुनकर ग्रहण किया, विश्वास किया और मन फिराया था (प्रेरितों 2:41; 8:12; 18:8)। नवजात शिशुओं में कोई पाप नहीं होता और न ही वे इन शर्तों को पूरा कर सकते हैं, इसलिए उन्हें बपतिस्मा नहीं दिया जाना चाहिए।

यदि किसी को बचपन में बपतिस्मा दिया गया हो तो उसे यह समझना चाहिए कि वह उस छोटी उम्र में मसीही बनने के लिए आवश्यक विश्वास नहीं कर सकता था। नवजात शिशु यह नहीं समझ सकता कि यीशु का लहू हमें हमारे पापों से शुद्ध करता है (रोमियों 3:25); वह मन फिराने और यीशु की सेवा करने और उसके पीछे चलने के लिए अपना जीवन समर्पित करने में असमर्थ है (यूहन्ना 12:26)। ऐसी वचनबद्धता न करने वालों को इस आशय से बपतिस्मा ले लेना चाहिए ताकि वे क्षमा पाकर यीशु के लिए नया जीवन जी सकें।

प्र.: ज़्या बच्चे अपने माता-पिता के पापों के कारण दोषी होते हैं?

उ.: नहीं। बच्चों को अपने माता-पिता के पापों के कारण दुख सहना पड़ सकता है (निर्गमन 20:5)। परन्तु परमेश्वर ''जो उससे प्रेम रखते और उसकी आज्ञाएं मानते हैं उनके

साथ हज़ार पीढ़ी तक अपनी वाचा पालता और उन पर करुणा करता रहता है'' (व्यवस्थाविवरण 7:9ख)। यदि वे उनके पाप के कारण दोषी हों, तो वे आज्ञा मानने वालों की हज़ारवीं पीढ़ी के धर्मी हैं।

पाद टिप्पणी

[1]प्रश्न में प्रयुज्त हिन्दी, NIV, NRSV और द न्यू जरूसलेम बाइबल के अनुवाद हैं।